कार्यक्षेत्र से रिपोर्ट - 9

8 जून 2020

दान नहीं, सम्मान के साथ अग्रसर

दो दशकों से अधिक के आपदा प्रबंधन के अनुभव के साथ गूँज की टीम पुनर्वास के दौरान राहत कार्य जारी रखने के महत्वे से परिचित है। लेकिन यहाँ एक सोच है - सम्मान को एक बुनियादी मानवीय आवश्यकता के रूप में प्राथमिकता देना, जो की अक्सर नज़रअंदाज़ कर दी जाती है,जैसे की भोजन, विशेषकर आपदा के समय। आइये दान की जगह गरिमा को स्थापित करें। गूँज में हम इसे पिछले दो दशकों से डिग्निटी फॉर वर्क DFW (पहले क्लॉथ फॉर वर्क कहा जाता था।) के रूप में अपना रहे हैं। जिसके अंतर्गत लोगो को जुटाने, प्रेरित करने और सशक्त बनाने के लिए व्यापक स्तर पर विकास कार्य शुरू किये गए है। इस सप्ताह की रिपोर्ट में हम कुछ कहानियाँ साझा कर रहे है की कैसे DFW कोविद और अम्फान प्रभावित लोगो की अपार संभावनाओ को उजागर कर रहा है।

आपके स्वस्थ्य और सुरक्षा की कामना करते हैं।

हार्दिक शुभकामनाए

टीम गूँज

पिछले तीन सप्ताह में

डिग्निटी फॉर वर्क (DFW) के अंतरगत कुल गतिविधिया: 580+

- 380 से अधिक सब्जी बागान लगाए गए।
- 12 किमी सड़क कार्य पूरा हुआ।
- साफ़/मरम्मत/निर्मित किया गया जल संसाधनों का कुल क्षेत्रफल।

  90,000वर्ग मी. से अधिक तालाब

  18,000वर्ग मी. से अधिक रुके हुए पानी को खोलना।

12,000 वर्ग मी. से अधिक नहर।

2,000 वर्ग मी. से अधिक चेक डैम।

पश्चिम बंगाल और ओडिशा को तबाह करने वाले अम्फान चक्रवात सहित, पिछली कई आपदाओं के सामान, पिछले कुछ सप्ताहों में हम देश भर में दान को छोड़ अपने डिग्निटी फॉर वर्क (DFW) मॉडल की ओर बढ़ने लगे है, यह प्रक्रिया चार चरणों में है:

1. अपने समुदाय की समस्याओ की पहचान करने और उन्हें प्राथमिकता देने के लिए लोगो को एकजुट करना।

2. अपनी बौद्धिक क्षमता और प्राकृतिक संसाधनों का उपयोग कर उन्हें एक स्थानीय समाधान विकसित करने के लिए प्रोत्साहित करना।

3. सामूहिक रूप से काम करने और अपने स्वयं के समाधान लागू करने के लिए उन्हें सशक्त बनाना।

4. उनके द्वारा किये गए प्रयासों के लिए इनाम के रूप में सम्मान के साथ राहत किट प्राप्त करना।

'डिग्निटी फॉर वर्क' की संभावनाए अपार है। आवश्यकता इस बात की है की हम समुदाय को स्वयं निर्णय लेने दे और किसी कमी को पूरा करने में उनका सहयोग करें। जब लोग अपनी समस्याओ और समाधानों का स्वामित्व लेते है तो कोई भी कार्य उनके लिए असंभव नहीं होता- चाहे पहाड़ में से सड़क निकालनी हो या कोई पुल बनाना हो!

केरल: कट्टनाड की धमनियों को खोलना

जैसे हमारे लिए सड़के हैं, वैसे ही कट्टनाड के लोगो के लिए नहरे वहां की धमनियां हैं। एडाथुआ पंचायत क्षेत्र में अप्रवाही जलकुम्भी के आक्रामक विकास से निपटने के लिए केरल में हमारी टीम ने स्थानीय लोगो को 300 मी. x 12 मी. नहर की सफाई के लिए प्रेरित किया। जलकुम्भी हटाए जाने से अब घरेलू उपयोग के अलावा धान के खेतो तक पर्याप्त पानी पहुंच रहा है। नहर के स्वच्छ होने से अब लोग अपनी डोंगी से एक स्थान से दूसरे स्थान आराम से आ जा सकते हैं। एलेप्पी के कट्टनाड क्षेत्र में गूँज बड़े पैमाने पर मेढ़ो की सफाई की दिशा में काम कर रहा है

ताकि वर्षा का जल प्रवाह बना रह सके और मानसून के दौरान जलभराव के प्रभाव को कम किया जा सके।

जम्मू और कश्मीर: स्कूलों की ओर वापसी

जम्मू के रामबन जिले के हैरोग क्षेत्र के निवासियों को एक स्कूल में बदलाव लाने के लिए गूँज का समर्थन मिला। अभिभावक अपने बच्चो को गंदे परिसर में भेजने से कतराते थे। यहां जुलाई महीने से फिर से कक्षाएं शुरू होनी है, लॉकडाउन और मजदूरों की अनुपलब्धता के कारण इस वर्ष विद्यालय की मरम्मत और रख-रखाव का काम नहीं किया जा सका। हमारी जम्मू टीम द्वारा सम्पर्क करने पर ग्रामीणों ने विद्यालय को साफ़ करने और यहाँ के मुख्य मार्ग की मरम्मत करने की अपनी एकमत इच्छा व्यक्त की। गूँज द्वारा उनके निर्णय का समर्थन कर उन्हें पेंटिंग सामग्री की मदद की गयी और उनके प्रयासों को आवश्यक राहत किट से पुरस्कृत किया गया।

राजस्थान: अब और नहीं चलना होगा...पानी के लिए।

जब लोगो के लिए, गर्भवती महिलाओं के लिए भी... दैनिक उपयोग के पानी के लिए रोज 5 किमी चिलचिलाती धुप में पैदल जाना आम बात हो तो समझ लेना चाहिए की उस समाज में बड़ी खामी है। लेकिन राजस्थान के बांसवाड़ा जिले के लालपाड़ा गाँव के लोगो के लिए सालो से यह एक सच्चाई रही है। जब हैंडपंप ने काम करना बंद कर दिया और लोग गन्दा पानी पीने के लिए मजबूर हो रहे थे तब ग्रामीणों ने गूँज के सामुदायिक कार्यकर्ता से सम्पर्क किया, जिन्होंने उन्हें एक कुंआ खोदने के लिए प्रेरित किया। 128 लोगो की कड़ी मेहनत के परिणामस्वरूप इस क्षेत्र में अब पीने के साफ़ पानी की उपलब्धता है। इसके अलावा वे इस बात से प्रसन्न है की इस गतिविधि से ग्रामीणों में एकता की भावना जागृत हुई है।

तमिलनाडु: खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करना

तमिलनाडु के तिरुवल्लुर जिले के गुड़ुवांचेरी गाँव के लोगो के लिए, धान से उच्च आय को देखते हुए, क्षेत्र के धान के खेतों में ताजे पानी की उपलब्धता उनकी आजीविका सुनिश्चित करने और साथ ही उस क्षेत्र की खाद्य सुरक्षा भी सुनिश्चित करने के लिए महत्वपूर्ण है। हालाँकि जब गाँव के सूखे तालाब और नहरों में अत्यधिक जलीय खरपतवारो की उपस्थिति के कारण उनके धान के खेतो में ताजे पानी के प्रवाह में बाधा उत्पन्न होने लगी तब गूँज द्वारा प्रोत्साहित किये जाने पर 103 ग्रामीणों ने 400 मी. x 4 मी. सिंचाई नहर की सफाई का काम किया। वह लॉकडाउन में अपनी परेशानियों का समाधान पाकर तथा अपने प्रयासों के बदले राहत किट से पुरस्कृत होने पर खुश थे।

पश्चिम बंगाल: पुल का निर्माण

पश्चिम बंगाल के अलीपुरद्वार जिले के फोस्काडांगा गाँव में तीन साल पहले, बारिश के समय वहाँ का बांस का पुल बह गया था। गूँज ने अपनी सहयोगी संस्था के सहयोग से 40 स्थानीय निवासियों को, DFW पहल के तहत, पुल के पुनर्निर्माण के लिए प्रेरित किया। उनके अथक प्रयासों के परिणामस्वरूप अब उस क्षेत्र में बिना किसी परेशानी के आवागमन का समाधान उपलब्ध है।

महाराष्ट्र: पीने के लिए पानी की एक स्वच्छ बूँद

महाराष्ट्र के पालघर जिले में, भीषण गर्मियो के दौरान पानी की कमी तथा संयुक्त रूप से कुंओ में पानी के घटते जलस्तर के कारण लोगो को गंदे पानी के सेवन के लिए मजबूर होना पड़ा। इसके अलावा जल जनित रोगो का डर भी बना रहता था। गूँज द्वारा विक्रमगढ़, डहाणू और पालघर ब्लॉक के 15 गाँवों के 207 लोगो को इस क्षेत्र के 15 कुंओ की सफाई की दिशा में काम करने के लिए प्रेरित किया गया। केवल स्थानीय संसाधनों का उपयोग कर 30 फ़ीट गहरे कुओं को साफ़ किया गया। मानसून के आने के साथ ही ग्रामीणजन खुश और आशान्वित है की पुनर्जीवित कुंए जल्द ही उनके लिए ताजे पानी को एकत्रित करने में सक्षम होंगे।

राहत COVID: कार्य क्षेत्र से जानकारी:

प्रभावित लोगो तक पहुंची तत्काल राहत सहायता

- सोलह लाख किलो राशन तथा अन्य आवश्यक सामग्री, राशन किट तथा सामुदायिक रसोइयों के माध्यम से पहुंचाई गयी।
- 1,00,000 से अधिक परिवारों तक पहुंच।
- 1,39,000 से अधिक तैयार भोजन लोगो तक पहुंचाया गया।

स्थानीय सामुदायिक रसोइयों को सहयोग

- 24 सामुदायिक रसोइयों को 1,63,000 भोजन के लिए 49,000 किलो राशन के माध्यम से सहयोग।

स्वास्थ्य रक्षा संबंधित पहल

- 3,00,000 फेस मास्क तथा 1,04,000 से अधिक कपडे से बने सेनेटरी पैड (माय पैड) तैयार किए गए।

अभावो को भरने के प्रयास तथा नेटवर्क की पहुँच को बढ़ाना

- 23 राज्यों तथा केंद्रशासित प्रदेशो (194 जिलों में) 300 से अधिक सहभागी संस्थाओ के साथ कार्यो की शुरुआत।
- उद्योग जगत, संगठनों, तथा व्यक्तियों के साथ व्यापक स्तर पर काम।

राहत किट के लिए किसानो से सीधे तौर पर 91,000 किलो से अधिक फल और सब्जियाँ खरीदी गयी।

किट के माध्यम से दिया जा रहा अन्य सामान

- साबुन तथा स्वच्छता संबंधी सामान- 1,55,000 से अधिक।
- झोला (कपड़े से बना बैग)- 7,000
- आसन, सुजनी और दरी- 13,000 से अधिक।
- किताबे एवं खिलौने- 2,700 से अधिक।

राहत अम्फान चक्रवात: हम वहा कार्यरत है... आपका सहयोग भी चाहिए

अम्फान चक्रवात पिछले कई दशकों में सबसे गंभीर चक्रवातों में से एक रहा है, यह पश्चिम बंगाल और ओड़िशा के लोगो के लिए दुख, विनाश और मौत का एक और अध्याय ले कर आया है। घरो, वृक्षों का बड़े पैमाने पर विनाश हुआ है तथा हजारो जल निकाय खारे पानी से प्रदूषित हो गए है, संबंधित क्षेत्र में बड़े पैमाने पर आजीविका की हानि हुई है और कोविद के चल रहे प्रभाव के कारण हमे यहां जीवन बचाने के लिए तत्काल और अधिक कार्य करने की आवश्यकता है। गूँज द्वारा पहले से ही इन राज्यों में रहत कार्य चल रहा है अब इसे और बड़े पैमाने पर करने की आवश्यकता है।

https://goonj.org/rahat-amphan/

हमारा सहयोग कीजिये

तत्काल आवश्यकता

- थोक रूप में सामग्री सहयोग- https://bit.ly/2yR000h
- राशि सहयोग के लिये- https://bit.ly/3b52CpJ
- यदि आप गूँज के लिए **फण्ड रेजिंग कैंपेन** शुरू करना चाहते है तो कृपया हमे jibin@goonj.org पर मेल करे।

- अधिक जानकारी के लिए हमे mail@goonj.org पर लिखे।

वेबिनार और चर्चाए:

1. गूँज फ़ेलोशिप: संभावनाओ के संसार की एक खोज- https://bit.ly/2Y07neG
2. कोविद का भारतीय संदर्भ में प्रदर्शनऔर हम क्या भूमिका निभा सकते हैं- https://bit.ly/36ZbBY4
3. गूँज की दृष्टि में क्या बेहतर है- https://bit.ly/36YXlyL
4. अम्फान चक्रवात के बाद के परिणाम- https://bit.ly/2XrMQAU

पिछली रिपोर्ट

- 4 मई- ग्रामीण भारत तक पहुँच।
- 11 मई- समाज के वंचित और कमजोर वर्ग को नजरंदाज़ ना करना।
- 18 मई- गरिमापूर्ण जीवन सबका अधिकार।
- 25 मई- जमीनी स्तर पर 8 प्रयोग।
- 8 जून- COVID महामारी के दौरान अम्फान चक्रवात का सामना।

रिपोर्ट पढ़ने के लिए- https://bit.ly/2K1JH3e

गूँज कार्यालय में नए दिशानिर्देशों के अनुसार पहले की ही भांति पुरानी/नई सामग्रियों को स्वीकार किया जा रहा है। अधिक जानकारी के लिए- www.goonj.org पर देखे।